दैनिक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, झांसी, एटा,औरैया, अमेठी,बलरामपुर, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

छतो के सोलर से देश के विकास मे विशिष्ट योगदान

राष्ट्रीय प्रस्तावना

लखनऊ। देश के विकास मे विशिष्ट योगदान छतो पर लगाये जाने वाले सोलर से होगा, यह विचार आईआईए द्वारा अयोजित 'राष्ट्रीय सोलर कानक्लेव-2019' मे 16 फरवरी 2019 को डा0 भरत राज सिह,जो एक वरिष्ट पर्यावरणविद व स्कूल ओफ मैंनेजमेंट साइंसेज, लखनऊ के महानिदेशक है, एक वक्ता के रूप मे रखी। यहा यह भी उल्लेखनीय है कि प्रो0 सिह, सोलर विद्युत का पिछ्ले 4-5 वर्षो से प्रचार-प्रसार कर रहे है और उनके घर पर लखनऊ शहर का पहला सोलर प्लांट लगा है । इस प्रकार शहर मे सोलर नेटमीटरिंग लगाने के फायदे लोगो को बताते है और उन्हे अधिक से अधिक लोगो को लगवाने के लिये प्रेरित कर रहे है।डा0 सिह, ग्रीन-हाउस गैस के प्रदूषण से पर्यावरण व जलवायु मे हो रहे परिवर्तन को रोकने हेतु ग्रीन-क्लीन उर्जा का अधिक से अधिक उपयोग का संकल्प लिया है। भारत सरकार के अक्षय ऊर्जा नीति के तहत 170 गीगावाट मे 100 गीगावाट मात्र सोलर से 2022 तक पूर्ण करने मे जनता की भागीदारी को प्रोत्साहित कर लक्ष्य का दो गुणा 200 गीगा-वाट पैदा करने का गुण, विना सरकार व प्राइवेट संस्थाओ के बडी योजनाऑ को स्थापित किये बगैर पूर्ण किया जा सकता है । उनका मानना है कि जब केंद्र सरकार 30प्रतिशत तथा प्रदेश सरकार 30प्रतिशत की छूट सोलर विध्युत उत्पादको को दे रही है तो 2-किलोवाट की लागत रू0 40,000=00 ही आयेगी । उसके बाद प्रति किलो वाट रू0 35,000=00 आयेगी। इस प्रकार से 3 किलोवाट, 4 किलोवाट व 5 किलोवाट सोलर प्लांट जो नेटमीटरिंग पर होगा, क्रमशः रू0 75,000=00 रू0 1,10,000=00 व रू0 1,45,000=00 ही आयेगी। जबकि इसके पहले 5-किलोवाट सोलर प्लांट की लागत 4,15,000=00 आता था। अब लोगो मे चेतना बढाने की जरूरत है और प्रदेश मे ही 23,500 मेगावाट का जो लक्ष्य 2022 का रखा गया है उससे कई गुणा बढोत्तरी हो सकती है। 22 करोड आबादी वाले प्रदेश मे 6 करॉड छेटे-बडे मकान कच्चे-पक्के मकान है। प्रत्येक मकान मे यदि बनाते समय उपयोगिता के अनुसार 2-किलोवाट का औसत लिया जाय तो 12 करॉड किलोवाट अर्थात120,000,000 किलोवाट (120 गीगावाट) जनता की भागीदारी से हो सकता है। इसी प्रकार पुत्र्ऱ्य देश की जंनता 700 गीगा वाट पैदा कर अपनेउपयोग के साथ-साथ ग्रिड मे अधिक-अधिक विजली पहुचा सकती है। आज अपना देश विश्व की 6-अग्रणी अर्थव्यवस्था मे आ चुका है और सोलर विद्युत उत्पादन मे तीसरे पायदान पर आ गया है। अतः हम देशवासियो को विश्व मे पुनः अपनी पह्चान को वापस कायम करने मे संदेह प्रतीता नही होता है।